जातियों की पूर्णता का समय आ रहा हैजब तक जातियों की पूर्णता
पूरी न हो जाए

NURU YA UPENDO www.wingulamashahidi.org | 1

हम, जो अन्यजातियों से हैं, जो आज परमेश्वर की अनुग्रह का लाभ ले रहे हैं — यह अनुग्रह हमारे साथ प्रारंभ नहीं हुआ। यह सबसे पहले इस्राएल को दिया गया था। पर जब उन्होंने मसीह को ठुकराया, तब यह अनुग्रह हमें दे दिया गया। इस्राएल, जो परमेश्वर की चुनी हुई प्रजा थी, को उद्धार की पूर्णता का अनुभव करना था — परंतु मसीह यीशु को अस्वीकार करने के कारण वह विलंबित हो गया।

इस्राएल की अस्वीकृति और परमेश्वर की योजना अन्यजातियों के लिए

इस्राएल लगभग उद्धार की आशीषों की ऊँचाई तक पहुँच चुका था, क्योंकि वे उस मसीहा की प्रतीक्षा कर रहे थे जो उन्हें उद्धार देगा। यीशु मसीह, वही प्रतिज्ञा किया गया उद्धारकर्ता, आया ताकि वह उन्हें पाप और उत्पीड़न से छुड़ा सके। लेकिन उन्होंने उसे अस्वीकार कर दिया।

जब यीशु उनके पास आया, तब परमेश्वर ने उन पर एक आत्मिक अंधकार डाल दिया, ताकि वे उसे पहचान न सकें। यह जान-बूझकर हुआ ताकि हम अन्यजाति — जैसे आप और मैं — उद्धार पा सकें। जैसा कि पौलुस ने लिखा:

“तो क्या हुआ? इस्राएल जो खोज रहा था, वह उसे न मिला, पर चुने
हुए उसे पा गए; और बाकी के लोग अन्धे कर दिए गए। जैसा लिखा

जातियों की पूर्णता का समय आ रहा हैजब तक जातियों की पूर्णता
पूरी न हो जाए

NURU YA UPENDO www.wingulamashahidi.org | 2

है, ‘परमेश्वर ने उन्हें बेहोशी की आत्मा दी है; ऐसे नेत्र
जो नहीं देखते, और ऐसे कान जो नहीं सुनते, यहाँ तक कि आज तक।’”
— रोमियों 11:7-8

इस्राएल के द्वारा मसीह की अस्वीकृति ही अन्यजातियों के लिए आशा का द्वार बनी।

इस्राएल की कठोरता का रहस्य

परमेश्वर ने इस्राएल की आँखों पर जो अंधकार डाला, वह स्थायी नहीं था। पौलुस इसे एक अस्थायी कठोरता कहते हैं — जब तक अन्यजातियों की पूर्णता पूरी न हो जाए:

“हे भाइयों, मैं नहीं चाहता कि तुम इस भेद को न जानो, कि तुम अपने आप को बुद्धिमान न समझो; कि इस्राएल के कुछ लोगों का मन कुछ हद तक कठोर हुआ है, जब तक कि अन्यजातियों की पूरी गिनती पूरी न हो जाए।”
— रोमियों 11:25

यह अन्यजातियों के लिए अनुग्रह और उद्धार का समय है — लेकिन यह

जातियों की पूर्णता का समय आ रहा हैजब तक जातियों की पूर्णता
पूरी न हो जाए

NURU YA UPENDO www.wingulamashahidi.org | 3

समय सदा नहीं रहेगा। एक दिन इस्राएल की आँखें खुलेंगी, और वे यीशु को अपना मसीहा स्वीकार करेंगे।

इस्राएल की अस्वीकृति का विरोधाभास

पौलुस इस विरोधाभास को और स्पष्ट करते हैं:

“तो क्या उन्होंने ठोकर खाई कि गिर जाएं? कदापि नहीं! पर
उनके पतन के द्वारा अन्यजातियों के पास उद्धार पहुँचा, ताकि उन्हें ईर्ष्या हो।”
— रोमियों 11:11

“अब यदि उनका पतन संसार के लिए धन है, और उनका घट जाना अन्यजातियों के लिए लाभ है, तो उनका पूर्ण हो जाना और भी
अधिक क्या होगा?”
— रोमियों 11:12

इस्राएल की असफलता हमारे लिए अवसर बनी — लेकिन एक दिन वे भी पूर्ण होंगे।

जातियों की पूर्णता का समय आ रहा हैजब तक जातियों की पूर्णता
पूरी न हो जाए

NURU YA UPENDO www.wingulamashahidi.org | 4

जैतून के वृक्ष का दृष्टांत: अन्यजातियों का प्रवेशन

पौलुस जैतून के पेड़ का दृष्टांत देकर यह समझाते हैं:

“यदि कुछ डाली काट दी गईं, और तू जो जंगली जैतून था, उनमें
जोड़ा गया, और जैतून के मूल और रस का सहभागी बन गया, तो उन
डाली से घमंड न कर। और यदि घमंड करता है, तो स्मरण रख कि तू
मूल को नहीं, पर मूल तुझे संभाले हुए है।”
— रोमियों 11:17–18

दूसरे शब्दों में, हमें गर्व नहीं करना चाहिए, क्योंकि हम उस वंश में जोड़े गए हैं जो इस्राएल से शुरू हुआ। हम उनके वचनों और प्रतिज्ञाओं के सहभागी हैं — लेकिन केवल परमेश्वर की कृपा से।

इस्राएल की पुनःस्थापना: परमेश्वर की प्रतिज्ञाएँ सच्ची हैं

एक समय आएगा जब परमेश्वर इस्राएल को फिर से अपने पास लाएगा:

“और इस प्रकार समस्त इस्राएल उद्धार पाएगा, जैसा लिखा है,

जातियों की पूर्णता का समय आ रहा हैजब तक जातियों की पूर्णता
पूरी न हो जाए

NURU YA UPENDO www.wingulamashahidi.org | 5

‘उद्धारकर्ता सिय्योन से आएगा, और याकूब से अभक्ति को दूर करेगा; और यह मेरी उनके साथ वाचा होगी, जब मैं उनके पापों को
दूर करूंगा।’”
— रोमियों 11:26–27

यह भविष्यवाणी जकर्याह की पुस्तक में भी स्पष्ट है:

“मैं दाऊद के घराने और यरूशलेम के निवासियों पर अनुग्रह और प्रार्थना की आत्मा उंडेलूंगा, और वे उसकी ओर दृष्टि करेंगे जिसे उन्होंने छेदा है; और वे उसके लिए विलाप करेंगे जैसे
कोई अपने एकलौते पुत्र के लिए करता है।”
— जकर्याह 12:10

अन्त समय: उठाई जाना और क्लेश का समय

जब इस्राएल की पुनःस्थापना निकट होगी, तब अन्यजातियों के लिए अनुग्रह का समय समाप्त होने लगेगा। इससे पहले एक महत्त्वपूर्ण घटना होगी — उठाई जाना (Rapture):

“क्योंकि स्वयं प्रभु एक आज्ञा के शब्द, प्रधान स्वर्गदूत

जातियों की पूर्णता का समय आ रहा हैजब तक जातियों की पूर्णता
पूरी न हो जाए

NURU YA UPENDO www.wingulamashahidi.org | 6

की आवाज़ और परमेश्वर के तुरही के साथ स्वर्ग से उतरेगा; और पहले वे मसीह में मरे हुए जी उठेंगे। तब हम जो जीवित रहेंगे
… उनके साथ बादलों में प्रभु से मिलने को ऊपर उठाए जाएंगे।”
— 1 थिस्सलुनीकियों 4:16–17

इसके बाद पृथ्वी पर महाक्लेश का समय आएगा — जब मसीह का विरोधी (Antichrist) प्रकट होगा, और परमेश्वर का न्याय अस्वीकार करने वाली दुनिया पर आएगा। उस समय इस्राएल का उद्धार आरंभ होगा।

उद्धार की तात्कालिकता

हम पर जिम्मेदारी है कि हम इस उद्धार का सुसमाचार दूसरों तक पहुँचाएं — जब तक कि अनुग्रह का द्वार खुला है। यीशु ने कहा:

“संकरी फाटक से प्रवेश करने का यत्न करो, क्योंकि मैं तुमसे कहता हूँ कि बहुत से प्रवेश करने का यत्न करेंगे और न कर सकेंगे।”
— लूका 13:24

और पौलुस ने लिखा:

जातियों की पूर्णता का समय आ रहा हैजब तक जातियों की पूर्णता
पूरी न हो जाए

NURU YA UPENDO www.wingulamashahidi.org | 7

“वह कहता है, ‘अनुकूल समय में मैंने तुझ पर ध्यान दिया, और उद्धार के दिन मैंने तेरी सहायता की।’ देखो, अभी अनुकूल समय
है; देखो, अभी उद्धार का दिन है।”
— 2 कुरिन्थियों 6:2

समय निकट है। मसीह में विश्वास रखने वालों को तैयार रहना चाहिए। अनुग्रह का द्वार अभी खुला है — चलो हम इसे थाम लें।

JIUNGE NA GROUP LETU LA WHATSAPP HAPA >> WHATSAPP GROUP….

Share on:
WhatsApp